BA Part II (Sub/AGH)

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Sociology

Lecture IV

निर्धनता को दूर करने के उपाय ⇒

3) शिक्षा में सुधार - आधुनिक शिक्षा पद्धति में सुधार करके शिक्षा को व्यवसायोन्मुख बनाया जाना चाहिए। वर्तमान शिक्षा-पद्धति मात्र नौकरी करने की योग्यता को सृजन करती है। बढ़ती हुई बेरोजगारी जैसी समस्या का समाधान शिक्षा को व्यवसायोन्मुख बनाकर ही किया जा सकता है।

4) सामाजिक कुरीतियों को दूर करना - भारतवर्ष में अनेक सामाजिक कुरीतियां ऐसी हैं, जिन पर व्यक्ति को ऋण लेकर पूरा करना होता है। जैसे दहेज, मृत्यु-भोज आदि कुछ ऐसी कुप्रथाएं हैं जिन्होंने कई संपन्न परिवारों को निर्धनता का जीवन जीने को विवश किया है। इसी प्रकार अनेक सामाजिक आयोजन जैसे - विवाह आदि पर आडंबरपूर्ण फिजूलखर्ची भी अनेक व्यक्तियों को निर्धन बनाती है।

5) सामाजिक संस्थाओं में परिवर्तन - निर्धनता दूर करने के लिए सामाजिक संस्थाओं के ढांचे में भी परिवर्तन अपेक्षित है। संयुक्त परिवार व्यवस्था, जजमानी व्यवस्था ने हमारी गतिशीलता को कुंठित कर दिया है।

भारत की निर्धनता और विकास के बीच के कारण भी किन्तु वास्तव में कार्यक्रम के कारण ही है। जो विकास की चिंता करने के स्थान पर देश के [illegible] अनुसूचित [illegible] के लिए प्रमुख उपाय राजनैतिक नेताओं द्वारा वर्तमान [illegible] शक्ति का प्रयोग करने की योजनाओं को आयोजित करता है। दुर्भाग्यवश हमारे राजनैतिक नेता वर्तमान देश की समस्याओं का समाधान ढूंढने के स्थान पर सत्ता संघर्ष में व्यस्त रहते हैं। वोटों की चाह पर देश के मतदाताओं चुनाव पर [illegible] [illegible] हैं और [illegible] में [illegible] रुपया व्यय करने के लिए हमारे नेता [illegible] तैयार हो जाते हैं परन्तु योजनाओं को [illegible] [illegible] राष्ट्रीय [illegible] में हटा करके देश की निर्धनता दूर करने के लिए उनके पास समय नहीं है।

देश के अलग अलग भाग के विकास के लिए उन्नतिकारक उपायों के बहुपक्षीय अपनाने की आवश्यकता है क्योंकि देश के विभिन्न क्षेत्र समस्याओं का सामना कर रहे हैं। निर्धनता और विकास के [illegible] [illegible] [illegible] हुए हमें [illegible] आर्थिक विकास को [illegible] [illegible] आर्थिक विकास की आवश्यकता है।